

огледало = *глендалос* ;
 рокозка (у Сливенци *хасъръ*) = *рухузина*.
 стена = *страха* ;
 обуца = *постъя*.

Любопитни сж сжщо окончанията — *ус* и *ис* на български думи:

звънецъ = *звънецус* ;
 редъ = *редус* ;
 бръгъ = *брыгус* ;
 князь = *князус* ;
 капка или сълза = *капкис* ;
 престилка = *пристилкис* ;
 паякъ = *паякус* ;
 маслинка = *маслинкис* ;
 дворъ = *дорус* ;
цвъте = *лулузи* ще е направо взето отъ гръцкия езикъ,
 а върху — *тепесъ* отъ турски (*тепе*).

Броятъ по цигански само до шестъ ; *ек*, *дуй*, *трин*, *щар*, *пан*, *шоу*, следъ това обръщатъ по гръцки : *ефта*, *охио*, *еня*, до 10 = *деш*, следъ което пакъ по цигански : *дешуек*, *дешудуй*, *дешутрин*, *дешущар*, и пакъ по гръцки : *декапинди*, *но дешушоу* (16), а следъ това, смѣсено : *дешуефта* (17), *дешу-охио*, *дешуеня*, до 20 = *оши* ; 30 = *трянда*, 31 = *тряндаекъ*, 40 = *саранда*, 50 = *пенда*, 55 = *пендупанш*, 59 = *пендуеня*, 60 по турски = *алмушини* и по цигански = *тринбиш*, = 3 пжти по 20.

Отъ тукъ до сто = *шъл* все по турски. 150 = *шълупенда*, 200 = *дуйшълъ*, 250 = *дуйшълпенда* : 300 = *триншъл* ; 1000 = *сияда*.

На костенурката казватъ *кокаланчи жамба*.
 Гащи = *калца*, мн. ч. = *калцъс* ;
 рокля = *рокля*, мн. ч. = *рокляс* ;
 нива = *енч*, мн. ч. = *енджа* ;
 жито = *зио* ; просо = *курми* ; зимница = *зимнаса* ;
 ечмикъ = *жоу* ; брашно = *ару* ; трици = *шия* ;
 желѣзо = *састрас* ; гвоздей = *кафри* ;
 брадва = *брадва*, мн. ч. = *брадвис* ;
 магаре = *хър* ; конь = *грас* ; волъ = *гурув* ;
 крава = *гурий* ; теле = *мускари (данакисъ)* ;
 лъвъ = *аслѣй* ; мечка = *мечка*, мн. ч. = *мечкисъ* ;
 вълкъ = *рув* (мн. ч. = *рува*) ;
 лисица = *лисица* ; мн. ч. = *лисицас* ;
 стомана = *апцин* ; черква = *кангери* ;
 пѣтелъ = *башину* ; книга = *ил*.